प्रश्नः 1857 का विप्लव किस प्रकार भारत के संबंध में ब्रिटिश नीति के विकास के क्रम में महत्वपूर्ण मोड़ है?

उत्तर- 1857 के विप्लव ने ब्रिटिश नीति को एक नयी दिशा दी ताकि 1857 के इस त्रसद घटना की पुनरावृति नहीं हो सके।(Thesis)

ब्रिटिश नीति का पहला बल ब्रिटिश साम्राज्य तथा भारतीयों के बीच पारस्परिक विश्वास को बहाल करने पर रहा था (प्रथम विचार जिससे थेसिस को समर्थन)। उदाहरण के लिए भारत का प्रशासन ब्रिटिश क्राउन ने अपने हाथों में ले लिया तथा महारानी की घोषणा में भारतीय राज्यों को ब्रिटिश क्राउन की नेकनीयता का आश्वासन दिया। (उदाहरण से विचार की पुष्टि)। उसी प्रकार ब्रिटिश साम्राज्य की नींव को मजबूत करने के लिए बेहतर गवर्नेंस भी आवश्यक था। (दूसरा विचार जो थेसिस को समर्थन देता है।) अतः प्रशासनिक एवं वित्तीय विकेन्द्रीकरण के लिए कदम उठाया गया। (विचार के समर्थन के लिए उदाहरण)

दूसरी तरफ साम्राज्य को शक्तिशाली बनाने के लिए बेहतर सुरक्षा प्रणाली की जरूरत थी। (तीसरा विचार थेसिस के समर्थन में) इसलिए सैन्य सुधार पर बल देते हुए संपूर्ण सैन्य संरचना में परिवर्तन ला दिया गया, यथा यूरोपीय तत्वों की संख्या बढ़ाना, विशिष्ट क्षेत्रें से सैनिकों की नियुक्ति, भारतीय रेजिमेंन्टों को जाति एवं क्षेत्र के आधार पर बांटना। (उदाहरण के द्वारा विचार को समर्थन)। अंत में ब्रिटिश साम्राज्य को दीर्घजीवी बनाने के लिए भारतीयों को आंतरिक रूप से कमजोर करना भी आवश्यक था। अतः ब्रिटिश ने भारत में 'फूट डालों एवं राज करो की नीति' को बढ़ावा दिया (उदाहरण)।

इस प्रकार, 1857 का विप्लव भारत में ब्रिटिश नीति के विकास में महत्वपूर्ण मोड़ सिद्ध हुआ।